RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 15 JUNE 2022 TO 21 JUNE 2022 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 07 ■ अंक 40 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

ओवीएल ने कहा, प्रतिबंधों के कारण सखालिन-1 परियोजना से कच्चे तेल की आवाजाही बाधित

Page 2

प्लास्टिक को खाकर खत्म कर सकता है ये कीड़ा, दुनिया को कचरे से मिलेगी मुक्ति?

Page 3

अमेरिका से उठा बवंडर, मंदी की चपेट में आने का डर

Page 5

editoria!

रोजगार का इंतजाम

बीते कल की सुबह देश के लाखों बेरोजगारों के लिए एक नई उम्मीद लेकर आई। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सुबह-सवेरे ही ट्वीट करके सूचना दी कि अगले डेढ़ साल में विभिन्न सरकारी महकमों में 10 लाख नौकरियां दी जाएंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं विभिन्न विभागों के मानव संसाधन की समीक्षा के बाद इन महकमों को रिक्तियां भरने व नई नियुक्ति करने के निर्देश दिए हैं। इस एलान के चंद घंटों के भीतर ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अग्निपथ योजना के तहत सेना में हजारों जवानों की भर्ती का प्रारूप भी पेश कर दिया। रक्षा मंत्री की यह घोषणा पीएमओ के एलान को विश्वसनीय आधार तो देती ही है, यह संकेत भी देती है कि आने वाले दिनों में तमाम केंद्रीय मंत्री व निगमों के प्रमुख अपने यहां से जुड़ी ऐसी घोषणाएं करेंगे। बेकारी की मार झेल रहे करोड़ों नौजवानों के हित में यह एक सुखद पहल है और इसका स्वागत किया जाना चाहिए। केंद्र सरकार की इस कवायद के राजनीतिक निहितार्थ भी हैं। अगले आम चुनाव में अब दो साल से भी कम वक्त रह गया है। यह छिपी हुई बात नहीं है कि अब हर चुनाव में नौजवान मतदाताओं की भागीदारी तेजी से बढ़ रही है और वे जनादेश पर असरंदाज होने लगे हैं। पिछले आम चुनाव में ही करीब डेढ़ करोड़ नए मतदाता जुडे थे। और उन्होंने बढ़-चढ़कर मतदान में हिस्सा भी लिया था। लेकिन मार्च 2020 में कोविड-19 के कारण लॉकडाउन लगने के बाद बड़े पैमाने पर लोगों की नौकरियां गईं और इनमें हालिया नियुक्त लोगों की तादाद सर्वाधिक थी। हालात में सुधार के बावजूद 'सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी' के मुताबिक, इस साल की शुरुआत में देश में बेरोजगारों की तादाद लगभग पांच करोड़, 30 लाख थी, जिनमें से साढ़े तीन करोड़ तो शिद्दत से नौकरी तलाश रहे थे। ऐसे में, बताने की जरूरत नहीं कि एक के बाद दूसरी प्रतियोगी परीक्षाओं के रद्द होने या फिर लंबित पडे रहने का उनके मनोबल पर कैसा असर पड़ रहा होगा! देश की अर्थव्यवस्था ही नहीं, समूचे सामाजिक ताने-बाने के लिए भी यह बहुत जरूरी था कि नौजवान आबादी को निराशा के अंधेरे से बाहर निकालकर उसमें नई ऊर्जा भरने की पहल की जाए। निस्संदेह, नौकरी चाहने वालों के आगे ये नंबर बहुत कम हैं, मगर इससे एक सकारात्मक माहौल अवश्य बनेगा। पिछले कुछ वर्षों में सरकारी नौकरियों में कटौती की खबरें ही सुर्खियां बनती रही हैं, जबकि दूसरी तरफ समाज में आर्थिक विषमता बढ़ती गई है। सरकार पर दबाव गहराता जा रहा था कि वह अपने सार्वजनिक निवेश में बढ़ोतरी कर रोजगार सृजन को गति दे। हरियाणा, राजस्थान, बिहार, झारखंड और त्रिपुरा जैसे उच्च बेरोजगारी दर वाले राज्यों की सरकारों को भी इस मामले में केंद्र से प्रेरित होने की आवश्यकता है। यह भी ध्यान में रखना जरूरी है कि नौजवानों को सिर्फ काम नहीं चाहिए, बल्कि उन्हें गुणवत्तापूर्ण नौकरी चाहिए। चूंकि हमारे यहां सामाजिक सुरक्षा के दूसरे उपायों की नितांत कमी है, ऐसे में गुणवत्तापूर्ण रोजगार की अनिवार्यता स्वतःस्पष्ट है। विडंबना यह है कि देश की तमाम राजनीतिक पार्टियां चुनाव के समय रोजगार सृजन के बड़े-बड़े वादे करती हैं, मगर सत्ता में आने के बाद प्रक्रियागत उलझनों का रोना रोने लगती हैं और विपक्ष भी अगले चुनाव तक अपने शिविर में कैद हो जाता है। केंद्र सरकार को इस धारणा को तोड़ना होगा, तभी उसके मौजूदा एलान का लाभ नौजवान उठा सकेंगे।

रूस और भारत की बेजोड़ तेल नीति

भारत का दूसरा सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता बना रूस, सऊदी अरब को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बीते मई में रूस, सऊदी अरब को पीछे करते हुए भारत का दूसरा सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता बन गया। बता दें कि अभी भी इराक इस मामले में नंहर एक पर बना हुआ है। रूस द्वारा यूक्रेन पर हमला करने को लेकर उसे अमेरिका सहित अन्य पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए तमाम तरह के प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है। इसके बावजूद इराक के बाद अब रूस भारत का दूसरा सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता देश बन गया है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बीते मई में रूस, सऊदी अरब को पीछे करते हुए भारत का दूसरा सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता बन गया। बता दें कि अभी भी इराक इस मामले में नंहर एक पर बना हुआ है।

मई में 819,000 बैरल प्रति दिन हुई रूसी तेल की आपूर्ति

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मई महीने में भारतीय रिफाइनरी कंपनियों को लगभग 819,000 बैरल प्रति दिन (बीपीडी) रूसी तेल प्राप्त हुआ, जो किसी भी महीने में अब तक का सर्वाधिक रिकार्ड है। वहीं, अप्रैल में रूसी तेल की आपूर्ति लगभग 277,00 बैरल प्रति दिन थी।

पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों का सामना कर रहा है रूस

यह रिकार्ड ऐसे समय में बना है रूस, यूक्रेन पर हमले के कारण पश्चिमी मुल्कों की ओर से लगाए गए कठोर प्रतिबंधों का सामना कर रहा है। अमेरिका समेत अन्य पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के कारण रूस को तेल की कीमतों में रियायत तक देनी पड़ी है। यूक्रेन संघर्ष के कारण दुनिया के अधिकांश देशों ने रूस पर प्रतिबंध लगाए हैं। कई देशों ने उससे तेल और गैस लेना भी बंद कर दिया है। ऐसे में भारत ने रूस से सस्ता तेल खरीदने का फैसला लिया था। तमाम प्रतिबंधों के बावजूद रूस अपना तेल बेचने में पूरी तरफ सफल रहा है। भारत-रूस के संबंधों को लेकर भारत में रूसी राजदूत डेनिस अलीपोव का कहना है कि राष्ट्रपति पुतिन भारत के साथ सम्मानजनक संबंधों को बेहद तरजीह देते है। इतना ही नहीं, विश्व के अन्य मुख्य मुद्दों पर भी दोनों देशों की सोंच काफी हद तक मिलती है।

5G पर सरकार का बड़ा फैसला

4G के मुकाबले मिलेगी 10 गुना तेज स्पीड

नई दिल्ली। एजेंसी

लम्बे समय से टेलीकॉम कंपनियां 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी का इंतजार कर रही थी। केन्द्र सरकार ने 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी पर मोहर लगा दी है। कैबिनेट की हुई बैठक में इसका फैसला किया। इंटरनेट की मौजूदा स्पीड अगर आपको स्लो लगती है और आप सुपरफास्ट इंटरनेट का वेट कर रहे हैं, तो जल्द ही आपका यह इंतजार खत्म हो सकता है। केंद्र सरकार ने सुपरफास्ट इंटरनेट लाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने 5G स्पेक्ट्रम की नीलामी पर अपनी मुहर लगा दी है। 5G आने से यूजर्स को 4G के मुकाबले 10 गुना तेज सर्विसेज मिलेंगी। टेलिकॉम कंपनियां लंबे वक्त से 5उ स्पेक्ट्रम की नीलामी का इंतजार कर रही हैं। सरकार की तरफ से कहा गया है कि 5G सर्विसेज को जल्द रोलआउट किया जाएगा और 72 गीगाहट्र्ज के स्पेक्ट्रम की नीलामी 20 साल के लिए की जाएगी।

5G में कुछ ही सेकेंड्स में डाउनलोड हो जाएंगी HD मूवीज

4G नेटवर्क के मुकाबले 5G कहीं ज्यादा सक्षम इंटरफेस है। जहां 4G यूजर्स को 150mbps की स्पीड ऑफर करता है। वहीं, 5उ नेटवर्क इंटरनेट यूजर्स को 10Gbps तक की डाउनलोड स्पीड ऑफर करेगा, जो कि 4G के मुकाबले कई गुना ज्यादा होगी। एक्सपर्ट्स का कहना है कि 5G में यूजर्स कुछ ही सेकेंड्स में फुल-लेंग्थ HD मूवीज डाउनलोड कर पाएंगे। अगर अपलोड स्पीड की बात करें तो 5G नेटवर्क 1Gbps तक की अपलोड स्पीड्स उपलब्ध करा सकता है। वहीं, 4G में 50Mbps तक की अपलोड स्पीड मिल रही है।

क्या 4G से महंगे होंगे 5G के प्लान्स

भारत में 5उ प्लान की प्राइसिंग को लेकर अभी ज्यादा डीटेल्स सामने नहीं आए हैं। हालांकि, यह 4उ प्लान्स के मुकाबले थोड़ा महंगे हो सकते हैं। यह बात एक रिपोर्ट में कही गई है। मार्च 2022 में एयरटेल के चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर (एऊध) रणदीप सेखों ने कहा था कि भारत में 5G प्लान्स की प्राइसिंग 4G प्लान्स जैसी ही हो सकती है। क्वॉलकॉम की वेबसाइट के मुताबिक, 5G में 4G के मुकाबले लोअर लैटेंसी होगी। साथ ही, 5G नेटवर्क 4G के मुकाबले स्पेक्ट्रम का बेहतर इस्तेमाल करता है।

4G की तुलना में 10 गुना ज्यादा स्पीड

5G की स्पीड मौजूदा 4G की स्पीड से 10 गुना अधिक रहेगी। यानी किसी लिंक को और तेजी से ओपन किया जा सकेगा। इस टेक्नालॉजी से लोगों का काफी समय बचेगा। बता दें, 5G की वजह से दुनिया भर में 2.28 करोड़ नई नौकरियां आई हैं। 5G नेटवर्क उन्हीं रेडियो फ्रीक्वेंसी पर चलेगा, जिनका इस्तेमाल अभी आपके मोबाइल डेटा, Wi-Fi और सैटेलाइट कम्युनिकेशंस में किया जाता है। इस सर्विस के लिए टेलिकॉम कंपनियों को अपने टावर नहीं चेंज करने होंगे।

5G स्पेक्ट्रम की बोली जुलाई के अंत तक संभव है। इस ऑक्शन में टेलीकॉम सेक्टर के तीन बड़े प्लेयर्स रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया के शामिल होने की संभावना है। नीलामी लगाने वाले के पास 10 साल के बाद स्पेक्ट्रम को सरेंडर करने का भी विकल्प रहेगा।

प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाले केंद्रीय मंत्रिमंडल ने स्पेक्ट्रम नीलामी का दूरसंचार विभाग का प्रस्ताव मंजूर कर लिया है, इसके तहत जनता और उद्यमों को 5जी सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए सफल बोलीदाताओं को स्पेक्ट्रम आवंटित किया जाएगा।' सरकार 20 वर्ष की वैधता वाले कुल 72097.85 मेगाहट्र्ज स्पेक्ट्रम की जुलाई माह के अंत तक नीलामी करेगी। इसके अलावा विभिन्न निम्न, मध्यम और उच्च फ्रिक्वेंसी बैंड के लिए भी स्पेक्ट्रम नीलामी की जाएगी। इसमें कहा गया, ''सफल बोलीदाताओं को अग्रिम भुगतान करने की कोई अनिवार्यता नहीं होगी, ऐसा पहली बार हो रहा है। स्पेक्ट्रम के लिए भुगतान 20 बराबर सालाना किस्तों में किया जाएगा और ये अग्रिम किस्तें प्रत्येक वर्ष की शुरुआत में देनी होगी।''

CNG Home Delivery:

मुंबई में अब जल्द ही आपके दरवाजे पर पहुंचेगी सीएनजी

मुंबई। एजेंसी

देश की आर्थिक राजधानी कहे जाने वाले मुंबई में जल्द ही लोगों को अपने दरवाजे पर सीएनजी (CNG Home Delivery) मिल सकेगी। ऊर्जा वितरण स्टार्टअप 'दि फ्यूल डिलिवरी' ने महानगर गैस लिमिटेड के साथ एक अभिरुचि पत्र (एलओआई) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत शहर में मोबाइल सीएनजी स्टेशन की स्थापना की जाएगी। इन मोबाइल सीएनजी स्टेशनों की मदद से ग्राहकों को उनके दरवाजे पर ईंधन पहुंचाया जाएगा। द फ्यूल डिलिवरी ने एक बयान में कहा कि यह सेवा 24 घंटे और हर दिन उपलब्ध होगी और इसके जरिए सीएनजी से चलने वाले ऑटो रिक्शा, कैब, निजी और वाणिज्यिक वाहनों, स्कूल बसों और अन्य वाहनों की ईंधन संबंधी जरूरतों को पूरा किया जाएगा। इस सेवा की शुरुआत से ग्राहकों को सीएनजी के लिए लंबी-लंबी कतारों में इंतजार नहीं करना पड़ेगा। स्टार्टअप ने कहा कि उसे मुंबई में दो मोबाइल सीएनजी स्टेशन संचालित करने के लिए एमजीएल (महानगर गैस लिमिटेड) से मंजूरी मिल गई है। यह सेवा अगले तीन महीनों में मुंबई के सायन और महापे से शुरू होगी और धीरे-धीरे इसे शहर के अन्य हिस्सों में भी विस्तारित किया जाएगा। द फ्यूल डिलिवरी के संस्थापक-सीईओ रक्षित माथुर ने कहा, ''देश भर में दरवाजे पर डीजल की सफलतापूर्वक आपूर्ति करने के बाद, हम सीएनजी की घरों तक आपूर्ति की घोषणा करके एक कदम आगे बढ़ा रहे हैं।''

ओवीएल ने कहा, प्रतिबंधों के कारण सखालिन-1 परियोजना से कच्चे तेल की आवाजाही बाधित

नयी दिल्ली। ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल) के प्रबंध निदेशक आलोक गुप्ता ने कहा है कि रूस के खिलाफ प्रतिबंधों के कारण सखालिन-1 परियोजना से तेल की आवाजाही बाधित हो रही है। ओवीएल सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) की विदेशी निवेश इकाई है।

सखालिन-1 में ओवीएल की 20 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जहां एक्सॉनमोबिल की रूसी अनुषंगी कंपनी परिचालक है। रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद एक्सॉन ने परियोजना से बाहर निकलने की घोषणा की है। रूस के ऊर्जा मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, सखालिन-1 ने जनवरी और फरवरी, 2022 में प्रतिदिन लगभग 2,71,000 बैरल तेल का उत्पादन किया था। गुप्ता ने ओएनजीसी के वित्तीय नतीजों के बाद एक निवेशक वार्ता में कहा, ''सखालिन-1 के मामले में अप्रत्याशित घटना के कारण अस्थायी व्यवधान हैं... यह स्थिति अगले दो-तीन हफ्तों में सामान्य हो जाएगी, क्योंकि हम वैकल्पिक उपायों का पता लगा रहे हैं।'' उन्होंने हालांकि यह नहीं बताया कि किन विकल्पों पर विचार चल रहा है। उन्होंने कहा कि कंपनी को इस साल मार्च तक लाभांश के रूप में पूरी राशि मिली है। अगला लाभांश जुलाई में देय है और कंपनी अपने भागीदारों के साथ बात कर रही है कि इसका भुगतान किस तरह किया जाएगा।

गुप्ता ने कहा, ''रूसी कच्चा तेल छूट पर बिक रहा है। कच्चा तेल बाहर निकालने में सक्षम नहीं होने की मौजूदा स्थिति के कारण हम सखालिन से कच्चे तेल की बिक्री नहीं कर पा रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि रूस में ओवीएल की अन्य परियोजनाओं में कोई समस्या नहीं है।

महंगाई अब नहीं बढ़ेगी! SBI की रिपोर्ट में दावा

RBI अगली दो बैठकों में बढ़ा सकता है नीतिगत दरें

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत में महंगाई पिछले कुछ महीनों से लगातार बढ़ रही है। इसके बावजूद एसबीआई की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) महंगाई पर काबू पाने में काफी आगे है। वहीं, जानकारों को भरोसा है कि आरबीआई अगस्त और अक्टूबर में मौद्रिक नीति समीक्षा (एमपीसी) में रेपो रेट बढ़ाएगा। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि महंगाई के अब इस स्तर से ऊपर उठने की उम्मीद नहीं है। खुदरा महंगाई अप्रैल में आठ साल के उच्च स्तर 7.79 फीसदी पर पहुंच गई। हालांकि मई में यह थोड़ा नरम होकर 7.04 फीसदी पर आ गया। रिपोर्ट के मुताबिक, कोर महंगाई भी मई में गिरकर 6.09 फीसदी पर आ गई, जो अप्रैल में 6.97 फीसदी थी। 2022-23 में औसत मुद्रास्फीति दर 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

एसबीआई के ग्रुप चीफ इकोनॉमिक एडवाइजर सौम्य कांति घोष ने कहा, 'हमारा मानना है कि आरबीआई महंगाई को नियंत्रित करने की राह पर है और फेडरल रिजर्व (यूएस सेंट्रल बैंक) अमेरिका में महंगाई को नियंत्रित करने के लिए रिजर्व बैंक के मॉडल का पालन कर रहा है। दरअसल, ऐसे कयास लगाए जाते रहे हैं कि महंगाई पर काबू पाने में आरबीआई पिछड़ गया है। आपको बता दें कि मई में अमेरिका में महंगाई चार दशक के उच्च स्तर 8.6 फीसदी पर पहुंच गई थी। मौद्रिक नीति समीक्षा में रेपो रेट में बढ़ोतरी हो सकती है अगस्त में, जिसके कारण जून में मुद्रास्फीति 7इ से ऊपर रह सकती है। अक्टूबर में रेपो दर भी बढ़ सकती है, जिससे नीति दर में वृद्धि हो सकती है। रेपो दर अब बढ़कर 4.9 प्रतिशत हो गई है, जिससे आरबीआई को पिछले एक महीने में दो बार रेपो रेट बढ़ाएं वही है।

2026-27 तक 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था होगा भारत : मुख्य आर्थिक सलाहकार

नयी दिल्ली। एजेंसी

मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने मंगलवार को कहा कि भारत 2026-27 तक 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि 2033-34 भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 10,000 अरब डॉलर होगा। यूएनडीपी इंडिया द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में नागेश्वरन ने कहा कि अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले भारत की अर्थव्यवस्था बेहतर स्थिति में है।

मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा, ''हमारी अर्थव्यवस्था अभी 3,300 अरब डॉलर की है और 5,000 अरब डॉलर के लक्ष्य को हासिल करना बहुत मुश्किल नहीं है। अगर आप केवल डॉलर के लिहाज से अर्थव्यवस्था में 10 प्रतिशत की मामूली वृद्धि का अनुमान लगाए तो, वर्ष 2033-34 तक यह आंकड़ा 10,000 अरब डॉलर का हो जाएगा।'' गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2024-25 तक भारत की अर्थव्यवस्था को 5,000 अरब डॉलर पर पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। विश्व बैंक ने हाल में चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की अर्थव्यवस्था के वृद्धि के अनुमान को घटाकर 7.5 प्रतिशत कर दिया है। मुद्रास्फीति, आपूर्ति श्रृंखला में बाधाओं और भू-राजनैतिक संकट के कारण विश्व बैंक ने अपने अनुमान में बदलाव किया है।

बादाम के साथ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर हासिल करें अपनी सेहत का लक्ष्य

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

योग व्यायाम का एक प्राचीन रूप है, जिसकी शुरूआत भारत में हुई थी। यह शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के तालमेल का प्रतीक है। रोजाना योग का अभ्यास करने के साथ संतुलित आहार लेना संपूर्ण सेहत और तंदुरुस्ती को सुनिश्चित करने का सबसे अच्छा तरीका है। ज्यादा जागरूक और सचेत जीवन जीने को लेकर जागरूकता फैलाने के लिये हर साल 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। जैसे-जैसे यह दिन करीब आ रहा है, आइए एक नजर डालते हैं कि कैसे फिट रहने के लिये योग का अभ्यास करना और इसे सबसे जरूरी तत्वों- सेहतमंद और पोषण से भरपूर भोजन से पूरा करना सबसे अच्छा तरीका है।

अपने भोजन में एक मुट्ठी बादाम शामिल कर लेना सबसे पहला अच्छा कदम हो सकता है, क्योंकि यह स्नैक का एक पौष्टिक विकल्प है। इसे रोजाना खाने से दिल की सेहत, डायबिटीज और वजन का प्रबंधन, सेहतमंद त्वचा बनाए रखने जैसे कई सारे फायदे मिल सकते हैं। बादाम में मौजूद पोषक तत्वों में शामिल हैं, जिंक, आयरन और विटामिन ई, जोकि इम्यून सिस्टम को भी सपोर्ट करने में मदद करता है।

सेहतमंद जीवनशैली अपनाने के महत्व पर जोर देते हुए, बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री सोहा अली खान कहती हैं, 'योग की ताकत पर मेरा दृढ़ विश्वास है और मैं नियमित रूप से इसका अभ्यास करती हूं। स्वस्थ रहने के लिये सेहतमंद खाने के महत्व को भी समझती हूं। इसलिये, संतुलित और पौष्टिक भोजन करना मेरे और मेरे परिवार के लिये सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, मैं इस बात का भी ध्यान रखती हूं कि हम जितना हो सके जंक फूड से बचें और अनहेल्दी स्नैक्स की जगह मुट्ठी भर बादाम जैसे हेल्दी विकल्पों को अपनायें। बादाम एक स्वादिष्ट और पौष्टिक नाश्ता है, क्योंकि ये कॉपर, जिंक, फोलेट, आयरन और विटामिन ई से भरपूर होते हैं, जिन्हें दिन में किसी भी समय खाया जा सकता है।'

कोकिंग कोयले की कीमतों पर नियंत्रण के लिए सरकार से हस्तक्षेप की मांग

नयी दिल्ली। एजेंसी

भारतीय इस्पात संघ (आईएसए) ने कोकिंग कोयले की बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने के लिए सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। इसकी कीमत तीन गुना होकर 450 डॉलर प्रति टन पर पहुंच गई है। आईएसए के महासचिव आलोक सहाय ने बातचीत में कहा, ''कोकिंग कोयले की कीमतें उद्योग और उत्पादन लागत को प्रभावित कर रही हैं, जिसका असर इस्पात की कीमतों पर भी पड़ रहा है।''

सहाय ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि एक साल पहले कोकिंग कोयले की कीमत 120 से 130 डॉलर प्रति टन के बीच हुआ करती थी। उन्होंने कहा कि मार्च, 2022 में कोकिंग कोयला 670 डॉलर प्रति टन पर पहुंच गया था। उद्योग विशेषज्ञ ने कहा कि

मौजूदा मूल्य सीमा पर केवल इस्पात विनिर्माण में कोकिंग कोयले की लागत लगभग 28,000 रुपये से 30,000 रुपये प्रति टन है, जो उत्पादन लागत का लगभग 40-45 प्रतिशत है। इसके अलावा लौह अयस्क, फेरो अलॉय, लॉजिस्टिक्स, ईंधन लागत और अन्य निश्चित लागत आती हैं।

सहाय ने आगे कहा कि कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से पेट्रोल और डीजल की कीमतें भी बढ़ जाती हैं, जिससे पूरी आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित होती है। उसी तरह से इस्पात की कीमतें भी कोकिंग कोयले की बढ़ती दरों के अनुरूप बढ़ती हैं। आईएसए फरवरी, 2022 से सरकार को कोकिंग कोयले की कीमतों पर ध्यान देने के लिए कह रहा है। संगठन का मानना है कि ''कीमत पर अंकुश लगाने की आवश्यकता है ताकि इस्पात उत्पादन की लागत को कम किया जा सके।''

कोकिंग कोयला और लौह अयस्क इस्पात विनिर्माण में इस्तेमाल होने वाले दो प्रमुख कच्चे माल हैं। जबकि लौह अयस्क घरेलू स्तर पर उपलब्ध है। देश अपनी कोकिंग कोयले की जरूरत का 85 प्रतिशत आयात करता है। इसमें से अधिकांश आयात ऑस्ट्रेलिया से किया जाता है। सहाय ने कहा कि आईएसए ने कोकिंग कोयले की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं तथा लॉजिस्टिक्स बाधाओं के बीच मई के निर्यात आंकड़े प्रभावशाली

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

मई 2022 के व्यापार आंकड़ों पर प्रतिक्रिया जताते हुए फियो अध्यक्ष डॉ. ए शक्तिवेल ने कहा कि वित्तीय वर्ष के मई महीने के दौरान दर्ज 38.94 बिलियन डॉलर का अब तक का सर्वाधिक निर्यात बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच निर्यात क्षेत्र की निरंतर गतिशीलता को प्रदर्शित करता है। फियो अध्यक्ष ने कहा कि महीने के दौरान निर्यात वृद्धि का नेतृत्व करने वाले शीर्ष क्षेत्रों में पेट्रोलियम उत्पाद, इंजीनियरिंग वस्तुएं, इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं, कार्बनिक और अकार्बनिक रसायन, सभी कपड़ों के आरएमजी, रत्न और आभूषण, ड्रग्स और फार्मास्यूटिकल्स, चमड़ा उत्पाद, कॉफी, अनाज से बने खाद्य पदार्थ और ऑइल मील्स आदि शामिल हैं। फियो प्रमुख ने यह भी दुहराया कि हाल ही में हस्ताक्षरित एफटीए तथा पीएलआई स्कीम भी हमारे लिए और मददगार होगी क्योंकि हम वित्तीय वर्ष के दौरान निरंतर आगे बढ़ते रहेंगे। आयात वृद्धि अवश्य थोड़ी चिंता की बात है और इस पर ध्यान दिया जा सकता है। बहरहाल, उन्होंने कहा कि सोने के बढ़ते आयात से लीड टाइम के साथ अगले 1-2 महीनों में प्रभावशाली रत्न एवं आभूषण निर्यात हो सकता है। फियो प्रमुख का यह भी मानना है कि हालांकि सरकार ने निर्यात की सहायता करने के लिए कई उपायों की घोषणा की है, बहरहाल मूल्य वर्द्धित निर्यातों को बढ़ाने के लिए कच्चे मालों के निर्यात को युक्तिसंगत बनाने, कंटेनर विनिर्माण में तेजी लाने, एक वैश्विक ख्याति वाली भारतीय शिपिंग लाइन का विकास करने, आरओएससीटीएल तथा रोडटेप स्क्रिप्स की वैधता को बढ़ा कर 24 महीने करने तथा हस्तांतरणीयता को प्राप्ति के साथ लिंक करने, रोडटेप को ईओयू, एसईजेड तथा एडवांस अथोराइजेशन तक विस्तारित करने, आरओएससीटीएल तथा रोडटेप स्क्रिप्स के उपयोग को बढ़ाने और उच्चतर माल भाड़ा लागत से त्रस्त सेक्टर के लिए लॉजिस्टिक्स सहायता प्रदान करने की आवश्यकता है।

प्लास्टिक को खाकर खत्म कर सकता है ये कीड़ा

दुनिया को कचरे से मिलेगी मुक्ति?

एजेंसी

प्लास्टिक कई दशक से दुनिया भर के लिए कभी न खत्म होने वाली गंभीर समस्या बनी हुई है, वहीं इसे रिसाइकिल करना भी मुश्किल है। ज्यादातर प्लास्टिक कचरा धरती में मिलकर या फिर समुद्र में जाकर प्रकृति को नुकसान पंहुचा रहा है और प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण बन गया है। इतना बड़ा कारण कि अगर हमें जीना है तो आने वाले समय में प्लास्टिक को नष्ट करने के कारगर तरीके खोजना बेहद जरूरी है। इस समस्या से निपटने के लिए ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों ने एक ऐसा कीड़ा ढूंढ लिया है, जो प्लास्टिक को खाकर जिंदा रह सकता है। इस नई रिसर्च के बाद दुनिया को प्लास्टिक कचरे से छुटकारा मिलने की उम्मीद जगी है।

प्लास्टिक खा सकता है कीड़ा

नई स्टडी के अनुसार पॉलीस्टाइरीन खाने वाले कीड़े की प्रजाति बड़े पैमाने पर प्लास्टिक रीसाइक्लिंग की कुंजी हो सकती है। ऑस्ट्रेलिया की University of Queensland के वैज्ञानिको के मुताबिक जोफोबास मोरियो यानी 'सुपरवर्म' आसानी से पॉलीस्टाइरीन यानी प्लास्टिक के कंटेंट को खा सकता है। उनकी आंत में मौजूद जीवाणु एंजाइम उसे आसानी से पचा भी लेते हैं।स्टडी के मुताबिक सुपरवर्म लार्वा कीड़े की प्रजाति का ही वर्म है, जो कि जोफोबास मोरियो पॉलीस्टाइरीन नाम के खास प्लास्टिक को आसानी से पचा लेता है। इसका कारण कीड़े की आंत में मौजूद बैक्टीरिया है। रिसर्चर डॉ रिंकी के मुताबिक, 'स्टडी के दौरान वैज्ञानिकों ने सुपरवर्म को सिर्फ पॉलीस्टाइरीन का आहार दिया था और वो कीड़ा उसे आसानी से खा गया। कीड़ा पॉलीस्टाइरीन खाने के बाद न केवल जीवित रहा बल्कि उसका मामूली वजन भी बढ़ा था। इससे पता चलता है कि कीड़े पॉलीस्टाइरीन से ऊर्जा हासिल कर सकते हैं, वहीं उनके आंत के अंदर बैक्टीरिया को प्लास्टिक को आसानी से पचा ले रहे हैं।

पॉलीस्टाइरीन से क्या-क्या बनता है?

पॉलीस्टाइरीन प्लास्टिक से थर्माकोल/स्टायरोफोम, डिस्पोजेबल कटलरी, CD केसेस, लाइसेंस प्लेट के फ्रेम्स, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के पार्ट्स, ऑटोमोबाइल के पार्ट्स बनाए जाते हैं।यह कीड़ा पॉलीस्टाइरीन और स्टाइरीन के टुकड़ों को खाकर खत्म कर सकता है। तीन हफ्ते की स्टडी के दौरान वैज्ञानिकों ने इन कीड़ों को तीन अलग-अलग ग्रुप्स में बांटा और इन्हें अलग प्रकार के प्लास्टिक की डाइट पर तीन हफ्तों के लिए रखा गया। इस दौरान पॉलीस्टाइरीन प्लास्टिक से बनने वाले थर्माकोल (स्टायरोफोम) को खाने वाले कीड़ों का वजन बढ़ते देखा गया। वहीं इस स्टडी के दौरान देखा गया कि ये कीड़ा पॉलीस्टाइरीन और स्टाइरीन के टुकड़ों को खाकर खत्म कर देता है। ये दोनों ही प्लास्टिक खाने-पीने के कंटेनर और कार के पार्ट्स बनाने में इस्तेमाल होती है।

सुपरवर्म मिनी रीसाइक्लिंग प्लांट की तरह

स्टडी में ये भी बताया गया कि सुपरवर्म मिनी रीसाइक्लिंग प्लांट की तरह पॉलीस्टाइरीन को अपने मुंह से काटते हैं और फिर इसे अपने आंत में बैक्टीरिया को खिलाते हैं। वहीं सुपर वर्म एक ऐसा कीड़ा होता है, जिसे पक्षियों और रेप्टाइल्स के खाने के लिए पैदा किया जाता है। इसका आकार 2 इंच (5 सेंटीमीटर) तक हो सकता है। इस प्रतिक्रिया से टूटने वाले उत्पादों का उपयोग अन्य सूक्ष्म जीवों द्वारा बायोप्लास्टिक्स जैसे हाई प्राइज वाले कंपाउंड्स को बनाने के लिए किया जा सकता है।वैज्ञानिकों को इस रिसर्च से उम्मीद है कि यह प्रक्रिया बायो-अपसाइक्लिंग प्लास्टिक कचरे के रीसाइक्लिंग को बढ़ाएगी और लैंडफिल को कम करने में काफी हद तक कारगर साबित हो सकती है।

रिसर्च के अनुसार कीड़ा नहीं बल्कि इसकी आंत में मौजूद बैक्टीरिया प्लास्टिक को पचाता है। रिसर्चर का कहना है कि प्लास्टिक को रिसाइकिल करने में इस कीड़े का नहीं, बल्कि इसकी आंत में मौजूद बैक्टीरिया का इस्तेमाल किया जाएगा। दरअसल, बैक्टीरिया ही है जो प्लास्टिक को पचाता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इसकी मदद से हाई क्वालिटी बायोप्लास्टिक बनाया जा सकता है। बायोप्लास्टिक जैविक चीजों से बनाया जाने वाला प्लास्टिक है। ये कीड़ा बायो-अपसाइक्लिंग के लिए भी इस्तेमाल में लाया जा सकता है।

फ्रेंचाइज़ी, डीलर्स और डिस्ट्रीब्यूटर्स अपॉइंट करने के लिए ग्रोथ एक्सपो इंदौर में

फ्रेंचाइज़ी एक्सपो में 10 प्रमुख ब्रांड्स ने पार्टिसिपेट किया

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत के अग्रणी फ्रैंचाइज़ी बी2बी शो, ग्रोथ एक्सपो द्वारा मध्य प्रदेश में बिज़नेस के अच्छे दिन लाने और इसमें विस्तार के लक्ष्य को अपनाते हुए नए ज़माने के मेगा अपॉर्च्युनिटी एक्सपो का आयोजन किया गया। उक्त एक्सपो का आयोजन प्रदेश के कमर्शियल शहर, इंदौर में 12 जून, 2022 रविवार को मैरियट होटल में किया गया। इसके अंतर्गत 10 ब्रांड्स ने अपनी हिस्सेदारी दर्शाई। इसके साथ ही 100 से अधिक विज़िटर्स और इन्वेस्टर्स ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। शो में उपस्थित सभी इन्वेस्टर्स अपने बिज़नेस को नई दिशा देते हुए इसमें विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मध्य प्रदेश में ग्रोथ एक्सपो द्वारा किए गए अपनी तरह के पहले आयोजन में 600 से अधिक रजिस्ट्रेशन्स प्राप्त हुए।

इंदौर के अलावा ग्रोथ एक्सपो का आगामी आयोजन 14 जून को ग्वालियर में होगा। वहीं भोपाल में यह 11 जून को आयोजित हो चुका है। इस प्रकार इस मेगा शो के माध्यम से प्रदेश के तीन बड़े शहरों में फ्रैंचाइज़ी अपॉर्च्युनिटी ने दस्तक दी है, जिससे शहर और इसके आसपास के क्षेत्रों के ब्रांड्स और बिज़नेस लाभान्वित होंगे। अहमदाबाद स्थित नेशनल टेंडर्स डॉट कॉम, इंदौर स्थित इज़ी मेडिको और मुंबई स्थित बिज़ नेक्स्ट, ग्रोथ एक्सपो के को-स्पॉन्सर्स रहे। साथ ही इंदौर स्थित पीआर 247 इसका मीडिया पार्टनर रहा।

मध्य प्रदेश में इस ग्रैंड एक्सपो के आगाज़ को लेकर उत्साहित यशेष शाह, फाउंडर, ग्रोथ एक्सपो कहते हैं, 'इंदौर में ग्रोथ एक्सपो की दस्तक के बाद मध्य प्रदेश में अब बिज़नेस के अच्छे दिनों की किरण हम देख पा रहे हैं। मध्य प्रदेश एक ग्रोइंग मार्केट है, जिसमें बिज़नेस के प्रति सम्भावनाएँ बहुत अधिक हैं। शहर और इसके आसपास के क्षेत्रों से ग्रोथ एक्सपो की इस पहल को लाजवाब प्रतिक्रिया मिली है।

दुनिया का सबसे बड़ा ग्रीन हाइड्रोजन इकोसिस्टम बनाने जा रहे अदाणी और टोटल एनर्जीज

अदाणी न्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड ग्रीन हाइड्रोजन में 50 अरब डॉलर का निवेश करेगी

अहमदाबाद। आईपीटी नेटवर्क

भारत के सबसे तेजी से बढ़ते विविध व्यापार पोर्टफोलियो, अदाणी और फ्रांस की एनर्जी सुपरमेजर टोटल एनर्जीज ने संयुक्त रूप से दुनिया का सबसे बड़ा ग्रीन हाइड्रोजन इकोसिस्टम बनाने के लिए एक नए समझौते पर हाथ मिलाया है। इस रणनीतिक साझेदारी में टोटल एनर्जीज, अदाणी न्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एएनआईएल) में अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) से 25ऽ माइनॉरिटी इंट्रेस्ट का अधिग्रहण करेगी।

ग्रीन हाइड्रोजन पर केंद्रित इस नई साझेदारी से भारत और ग्लोबल स्तर पर एनर्जी लैंडस्केप में बदलाव की उम्मीद की जा रही है। अदाणी और टोटल एनर्जी दोनों एनर्जी ट्रांजीशन और क्लीन एनर्जी अपनाने में सबसे आगे हैं, और यह जॉइंट एनर्जी प्लेटफार्म दोनों कंपनियों द्वारा की गई पब्लिक ईएसजी प्रतिबद्धताओं को और मजबूत करता है। एएनआईएल की महत्वाकांक्षा अगले 10 वर्षों में ग्रीन हाइड्रोजन और संबंधित इकोसिस्टम में 50 बिलियन डॉलर से अधिक का निवेश करना है। प्रारंभिक चरण में, एएनआईएल 2030 से पहले 1 मिलियन टन प्रति वर्ष की ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन क्षमता विकसित करेगा।

अदाणी समूह के चेयरमैन श्री गौतम अदाणी ने कहा, 'अदाणी-टोटल एनर्जीज संबंधों का रणनीतिक मूल्य, बिज़नेस और महत्वकांक्षा, दोनों स्तरों पर बहुत अधिक है। दुनिया में सबसे बड़ा ग्रीन हाइड्रोजन प्लेयर बनने के हमारे सफर में, टोटल एनर्जीज के साथ पार्टनरशिप कई आयामों को साथ जोड़ती है जिसमें आरडी, मार्केट पहुंच और अंतिम उपभोक्ता की समझ शामिल है। यह मौलिक रूप से हमें बाजार की मांग को आकार देने की इजाजत देता है। यही कारण है कि मैं इस तरह का विशेष महत्व रखने वाले हमारे गठबंधन के निरंतर विस्तार को देखता हूं।

टोटल एनर्जीज के चेयरमैन और सीईओ श्री पैट्रिक पॉयने ने कहा, 'एएनआईएल में टोटल एनर्जीज का प्रवेश हमारी रिन्यूएबल और निम्न कार्बन हाइड्रोजन रणनीति को लागू करने में एक प्रमुख माइलस्टोन है, जहां हम 2030 तक अपनी यूरोपीय रिफाइनरियों में उपयोग किए जाने वाले हाइड्रोजन को न केवल डीकार्बोनाइज करना चाहते हैं, बल्कि मांग को पूरा करने के लिए ग्रीन हाइड्रोजन के बड़े पैमाने पर उत्पादन में भी सबसे आगे हैं।

शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया पांच पैसे चढ़ा

मुंबई। एजेंसी

रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सपाट खुला और फिर पांच पैसे बढ़कर 77.99 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजार में गिरावट, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से रुपये की धारणा प्रभावित हुई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 77.99 पर खुला, जो पिछले बंद भाव की तुलना में पांच पैसे की बढ़त दर्शाता है। मंगलवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया अपने सर्वकालिक निचले स्तर 78.04 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.28 प्रतिशत गिरकर 105.21 पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.19 प्रतिशत बढ़कर 121.40 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर था। शेयर बाजार के अस्थाई आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को शुद्ध रूप से 4,502.25 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

आईओटेक वर्ल्ड को नए ड्रोन नियमों के तहत 'फर्स्ट टाइप' प्रमाणपत्र

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को आईओटेक वर्ल्ड एविगेशन को नए ड्रोन नियमों के तहत 'फर्स्ट टाइप' (टीसी) प्रमाणपत्र प्रदान किया। नए ड्रोन नियम पिछले साल 25 अगस्त को जारी किए गए थे। नागर विमानन मंत्रालय ने ट्वीट किया, ''ड्रोन नियम 2021 के तहत, भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) या एक अधिकृत परीक्षण इकाई की सिफारिश पर नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) विशिष्ट प्रकार की मानव रहित विमान प्रणाली (ड्रोन) के लिए प्रमाणपत्र जारी करता है।'' मंत्रालय ने कहा, ''नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज आईओटेक वर्ल्ड एविगेशन प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक और सह-संस्थापक अनूप उपाध्याय को ड्रोन नियम, 2021 के तहत 'फर्स्ट टाइप' प्रमाणपत्र प्रदान किया।''

केयर्न का 'बदलता बाड़मेर 'कैम्पेन पीआरसीए एपीएसी और ईटी कैलीडो अवाड्र्स में विजेता बना

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

केयर्न ऑयल एंड गैस का 'बदलता बाड़मेर' कैम्पेन पीआरसीए एशिया पैसिफिक अवाड्र्स 2022 और चौथे ईटी कैलीडो अवाड्र्स 2022 में विजेताबना है। इस कैम्पेन ने पीआरसीए एपीएसी अवाड्र्स में 'स्ट्रैटेजिक कम्युनिकेशंस अवार्ड' जीता है और ईटी कैलीडो अवाड्र्स में 'एनर्जी' कैटेगरी के तहत 'सिल्वर अवार्ड' जीता है। बाड़मेर, राजस्थान में कंपनी के मुख्य परिचालन क्षेत्र पर केन्द्रित कैम्पेन का लक्ष्य उस अच्छे काम के संदेश को फैलाना है, जो केयर्न जमीनी स्तर पर कर रही हैऔर जिसमें सर्वांगीण विकास शामिल है। इस कैम्पेन ने भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिये क्रूड के उत्पादन को दोगुना करने के कंपनी के व्यावसायिक विचार को आगे बढ़ाने में उसकी मदद की है।

यह दोनों पुरस्कार कम्युनिकेशंस की दुनिया में सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों में शामिल माने जाते हैं। पीआरसीए अवाड्र्स का आयोजन वार्षिक आधार पर पूरी दुनिया में होता है और यह जनसंपर्क के क्षेत्र में सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों में शामिल हैं। ईटी ब्राण्डइक्विटी द्वारा वार्षिक आधार पर आयोजित होने वाले कैलीडो अवाड्र्स का लक्ष्य है जनसंपर्क और कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस में किये जाने वाले प्रेरक काम को सम्मानित करना।

पुरस्कार लेते हुए, केयर्न ऑयल एंड गैस, वेदांता लिमिटेड की चीफ कम्युनिकेशन ऑफिसर राशिका कौल ने कहा, 'हम अपने 'बदलता बाड़मेर' कैम्पेन के लिये पीआरसीए और ईटी कैलीडो से सम्मान पाते हुए विनम्रता का अनुभव कर रहे हैं। हम अपने परिचालन के प्रमुख क्षेत्र बाड़मेर और राजस्थान के दूसरे ग्रामीण अंचलों में केयर्न की सफलता की गाथा का प्रचार करने के लिये पिछले वर्ष से यह कैम्पेन चला रहे हैं। यह कैम्पेन 210 गाँवों तक पहुँचा है और इसमें लगभग 80,000 निवासियों की सक्रिय भागीदारी रही है। बदले में हमें स्थानीय निवासियों तक पहुँचने और उनकी सद्भावना पाने में मदद मिली है, क्योंकि वे एक मुख्य साझीदार हैं।'

डिस्ट्रिक्ट स्किल डेवलपमेंट प्लानिंग (DSDP) अवाड्र्स के दूसरे संस्करण

कौशल विकास में अनुकरणीय योजना के लिए 30 जिलों को सम्मानित किया

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

अवाड्र्स फॉर एक्सीलेंस इन डिस्ट्रिक्ट स्किल डेवलपमेंट प्लानिंग (अ्एअ्इ) का दूसरा संस्करण नई दिल्ली के डॉ. अम्बेडकर इंटरनेशनल सेंटर में बड़े धूमधाम से आयोजित किया गया, जहां शीर्ष 30 जिलों को कौशल विकास में उनके इनोवेटिव बेस्ट प्रैक्टिसिस के लिए सम्मानित किया गया। गुजरात का राजकोट, असम का कछार और महाराष्ट्र का सतारा क्रमशः सभी भाग लेने वाले जिलों में शीर्ष तीन में रहे। 30 राज्यों के जिला कलेक्टरों, जिलाधिकारियों और अन्य प्रतिनिधियों ने अवार्ड सेरेमनी में भाग लिया और अपने विचारों एवं अनुभवों को साझा किया। उन्होंने अपने जिलों में जमीनी स्तर पर किए गए कौशल विकास कार्यों का लेखा-जोखा दिया। अवार्ड के लिए तीस जिलों का चयन किया गया था। निम्नलिखित तीन कैटेगरी के तहत अवार्ड दिए गए:

कैटेगरी I: एक्सीलेंस इन डिस्ट्रिक्ट स्किल डेवलपमेंट प्लानिंग में 8 अवाड्र्स

कैटेगरी II: एक्सीलेंस इन डिस्ट्रिक्ट स्किल डेवलपमेंट प्लानिंग में 13 सर्टिफ़िकेट

कैटेगरी III: डिस्ट्रिक्ट स्किल डेवलपमेंट प्लानिंग के लिए 9 लेटर ऑफ़ एप्रीसिएशन

बाद में एक इन्टरेक्टिव सेशन में, माननीय शिक्षा और कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्री, श्री धर्मेंद्र प्रधान, और कौशल विकास एवं उद्यमशीलता और इलेक्ट्रॉनिक्स एंड आईटी के माननीय राज्य मंत्री श्री राजीव चंद्रशेखर से अधिकारियों ने मुलाकात की अपने क्षेत्र में की गई बेस्ट प्रैक्टिसिस और कार्यों को साझा किया। श्री धर्मेंद्र प्रधान ने जिला कलेक्टरों, जिलाधिकारियों और अन्य अधिकारियों को कुशल कार्यबल की डिमांड-मैपिंग करने और स्थानीय स्तर पर कौशल विकास पहल के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि स्किलिंग एक आजीवन प्रक्रिया है और अ्ए को कौशल विकास की निरंतरता को आगे बढ़ाना चाहिए और जिला स्तर पर इनोवेटिव प्लानिंग के द्वारा स्किल डेवलपमेंट ईकोसिस्टम को मजबूत करने की दिशा में काम करना चाहिए।

प्रतिस्पर्धा आयोग ने एयर इंडिया को एयर एशिया इंडिया के अधिग्रहण को मंजूरी दी

नयी दिल्ली। एजेंसी

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने एयर इंडिया लि. के एयर एशिया इंडिया में पूरी हिस्सेदारी के अधिग्रहण प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। सीसीआई ने मंगलवार को एक नोटिस में कहा कि टाटा संस प्राइवेट लिमिटेड (टीएसपीएल) की परोक्ष रूप से पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी एयर इंडिया लिमिटेड (एआईएल) के एयरएशिया (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड की संपूर्ण इक्विटी शेयर पूंजी के अधिग्रहण के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गयी है। एयर एशिया इंडिया, टीएसपीएल और एयर एशिया इनवेस्टमेंट लि. (एएआईएल) का संयुक्त उद्यम है। इसमें टाटा संस प्राइवेट लि. की 83.67 प्रतिशत और एयर एशिया इनवेस्टमेंट लि. की 16.33 प्रतिशत हिस्सेदारी है। एयर एशिया इंडिया ने जून, 2014 में परिचालन शुरू किया था। कंपनी देश में अनुसूचित हवाई यात्री परिवहन, एयर कार्गो परिवहन और चार्टर उड़ान सेवाएं प्रदान करती है। इसका कोई अंतरराष्ट्रीय परिचालन नहीं है। सीसीआई ने मंगलवार को एक ट्वीट में कहा कि उसने टाटा संस की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी एयर इंडिया को एयर एशिया इंडिया में संपूर्ण शेयरधारिता के अधिग्रहण को मंजूरी दे दी है। उल्लेखनीय है कि टाटा संस प्राइवेट लि. की पूर्ण अनुषंगी टैलेस प्राइवेट लि. ने एयर इंडिया और सस्ती हवाई सेवाएं देने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस का पिछले साल अधिग्रहण किया था।

अमेरिका से उठा बवंडर, मंदी की चपेट में आने का डर

नयी दिल्ली। एजेंसी

करीब 4 माह से चल रही यूक्रेन-रूस की जंग और कोरोना की मार ने अमेरिका समेत ग्लोबल इकोनॉमी की मुसीबत बढ़ाई है। ऐसे में सप्लाई चेन पर असर की वजह से महंगाई की रफ्तार भी तेज होती जा रही है। अमेरिका में पत्ता भी हिल जाए तो दुनिया को तूफान जैसा महसूस होता है। भले ही यह आपको एक कहावत की तरह लगे लेकिन कुछ हद तक यही सच है। इस बार अमेरिका की इकोनॉमी में सिर्फ पत्ता ही नहीं हिल रहा बल्कि बवंडर की भी आहट सुनने को मिल रही है।

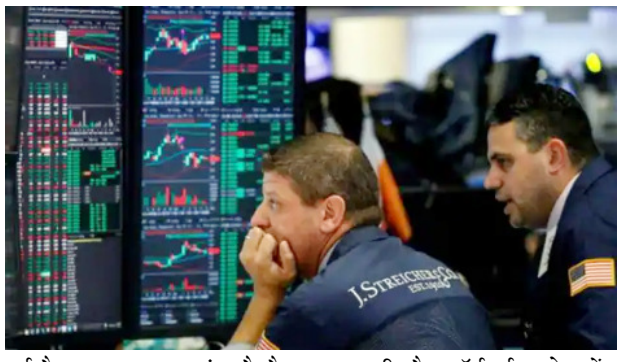

बिगड़ते जा रहे हालात

अमेरिका में महंगाई के आंकड़े 40 साल के शीर्ष पर हैं तो गिरावट के मामले में स्टॉक एक्सचेंज, करीब 14 साल पुरानी कहानी दोहराते नजर आ रहे हैं। तब हालात बैंकिंग फर्म लेहमैन ब्रदर्स के दिवालिया हो जाने से बिगड़े और अमेरिका के अलावा भारत समेत दुनियाभर के शेयर बाजार रेंगते नजर आए थे। इस बार परिस्थिति थोड़ी उलट और विकट है।

यूक्रेन-रूस जंग बड़ी वजह

इस बार यूक्रेन-रूस की जंग और कोरोना की मार ने अमेरिका समेत ग्लोबल इकोनॉमी की मुसीबत बढ़ाई है। ऐसे में सप्लाई चेन पर असर की वजह से महंगाई की रफ्तार भी तेज होती जा रही है। महंगाई की यह स्पीड जितनी तेजी से बढ़ रही है, उतनी ही तेजी से इकोनॉमी पस्त होती दिख रही है और शेयर बाजार लुढ़क रहे हैं।

बियर मार्केट में हो गई एंट्री

अमेरिकी स्टॉक मार्केट के सूचकांक-एंड 500 ने अपने जनवरी के उच्चतम स्तर के बाद से 20ड से अधिक का नुकसान झेल लिया है। इसी के साथ एंड 500 की बियर मार्केट में एंट्री हो गई है। एक अन्य सूचकांक-नैस्डैक पहले से ही बियर मार्केट में शामिल है। यह इस साल 25 फीसदी से ज्यादा टूट चुका है। आपको यहां बता दें कि बियर मार्केट से देश के स्टॉक एक्सचेंज की माली हालत के बारे में पता चलता है। यह किसी भी देश की इकोनॉमी के लिए बुरे संकेत होते हैं। कहने का मतलब ये है कि अमेरिकी स्टॉक एक्सचेंज इस बात के संकेत दे रहे हैं कि स्थिति सामान्य नहीं है।

आ रही 2008 की याद

अमेरिकी शेयर बाजार का जो माहौल है, उसे देखकर निवेशकों को 2008 वाली मंदी की याद आ रही है। थॉर्नबर्ग इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट के पोर्टफोलियो मैनेजर क्रिश्चियन हॉफमैन मंदी की ओर इशारा करते हुए कहते हैं कि लिक्विडिटी इतनी खराब हो गई है, हमें 2008 के ब्लैक ट्रेडिंग डे याद आ रहे हैं। हॉफमैन के मुताबिक बाजार में लिक्विडिटी लेहमैन संकट की तुलना में बदतर है। यह संकट आगे भी बढ़ सकता है।

भारत भी हुआ था प्रभावित

आपको बता दें कि अमेरिका के बैंकिंग फर्म लेहमैन ब्रदर्स जब दिवालिया हुई तब भारतीय शेयर बाजार रसातल में चले गए थे। साल 2008 के शुरुआती महीनों में जो सेंसेक्स 20 हजार अंक के उच्चतम स्तर पर था वो एक साल के भीतर 8 हजार अंक के स्तर पर आ गिरा। तब सेंसेक्स करीब 12000 अंक या 55 फीसदी से ज्यादा टूट गया था।

अभी क्या हैं हालात

अमेरिका की शेयर बाजार की चाल बिगड़ जाने से भारत में भी हाहाकार मचा हुआ है। भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक-सेंसेक्स अपने ऑल टाइम हाई 62,245 अंक से करीब 10 हजार अंक नीचे आ चुका है। 19 अक्टूबर 2021 को सेंसेक्स ने अपने ऑल टाइम हाई लेवल को टच किया था। वर्तमान में सेंसेक्स 53 हजार अंक के नीचे है और 52 सप्ताह के निचले स्तर के करीब पहुंचने वाला है। 18 जून 2021 को सेंसेक्स 51601 अंक के लो लेवल पर आया था।

अभी और बढ़ेगा संकट

तमाम एक्सपर्ट बता रहे हैं कि अमेरिकी सेंट्रल बैंक- यूएस फेड के बुधवार को लिए जाने वाले फैसलों के बाद भारतीय शेयर बाजार में बिकवाली बढ़ सकती है। ऐसा अनुमान है कि महंगाई कंट्रोल के लिए यूएस फेड ब्याज दरों में बदलाव की घोषणा करेगा। इस बार ब्याज दरों में 0.75 फीसदी बढ़ोतरी की घोषणा कर सकता है। यह 28 साल की सबसे बड़ी बढ़ोतरी होगी। इससे पहले, नवंबर 1994 में ब्याज दर में इतनी बढ़ोतरी की गई थी। अगर ऐसा होता है तो भारतीय शेयर बाजार से लगातार निकल रहे विदेशी निवेशकों के लिए यूएस मार्केट में एक नया मौका बनेगा और वह बिकवाली बढ़ा सकते हैं। इससे भारतीय शेयर बाजार में और गिरावट आएगी। बहरहाल, महंगाई से निपटने के लिए भारत समेत दुनियाभर में सेंट्रल बैंक अपने स्तर पर तरह-तरह के उपाय कर रहे हैं। इसी के तहत आरबीआई ने भी एक माह में दो बार रेपो रेट में बढ़ोतरी की है। हालांकि, इसके बावजूद भारतीय शेयर बाजार को कोई ठोस बूस्ट नहीं मिल सका है।

यूक्रेन युद्ध की वजह से गुजरात के लाखों हीरा श्रमिकों की आजीविका संकट में

अहमदाबाद। एजेंसी

रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से गुजरात का हीरा उद्योग बुरी तरह प्रभावित हुआ है। युद्ध के कारण इस उद्योग में कार्यरत लाखों श्रमिकों की आजीविका पर गंभीर संकट है। विशेषरूप से सौराष्ट्र क्षेत्र के ग्रामीण हिस्से में कार्यरत इकाइयां इस घटनाक्रम से सबसे अधिक प्रभावित हुई हैं।

उद्योग के प्रतिनिधियों ने बताया कि ये इकाइयां प्रसंस्करण और पॉलिश करने के लिए रूस से छोटी मात्रा में हीरों का आयात करती हैं।

रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद के क्षेत्रीय चेयरमैन दिनेश नवादिया ने पीटीआई-भाषा से कहा कि राज्य के हीरा उद्योग में करीब 15 लाख लोगों को रोजगार मिला हुआ है।

रूस से छोटे आकार के कच्चे हीरों की आपूर्ति में कमी के कारण गुजरात के व्यापारी अफ्रीकी देशों और अन्य जगहों से कच्चा माल खरीदने को मजबूर हैं, जिससे उनका मुनाफा प्रभावित हो रहा है। इसलिए राज्य की हीरा इकाइयों ने अपने श्रमिकों और पॉलिश करने वालों के काम के घंटों में कटौती की है जिससे उनकी आजीविका प्रभावित हुई है। बड़े आकार के हीरों का प्रसंस्करण मुख्य रूप से राज्य के सूरत शहर की इकाइयों में किया जाता है।

अमेरिका को भारत से 70 प्रतिशत कटे और पॉलिश हीरों का निर्यात किया जाता है। उसने रूसी कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। नवादिया ने कहा कि अमेरिका में कुछ बड़ी कंपनियों ने पहले ही उन्हें ई-मेल भेजकर कहा है कि वे रूसी सामान नहीं खरीदेंगी। उन्होंने कहा कि इस वजह से विशेषरूप से सौराष्ट्र के भावनगर, राजकोट, अमरेली और जूनागढ़ जिलों के हीरा श्रमिक बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। इसके अलावा राज्य के उत्तरी हिस्से के श्रमिकों पर भी इसका असर पड़ा है।

नवादिया ने कहा, ''हम रूस से लगभग 27 प्रतिशत कच्चे हीरे का आयात कर रहे थे। लेकिन युद्ध के कारण अब इतनी मात्रा गुजरात में प्रसंस्करण इकाइयों तक नहीं पहुंच रही है, जिससे वहां काम प्रभावित हो रहा है।'' उन्होंने कहा कि गुजरात में हीरा प्रसंस्करण में शामिल पूरे श्रमबल का लगभग 50 प्रतिशत छोटे आकार के हीरों पर काम करता है, जिन्हें स्थानीय रूप से 'पटली' कहा जाता है। उन्होंने बताया कि युद्ध से पहले गुजरात में पॉलिश के लिए आयात किए जाने वाले 30 प्रतिशत कच्चे हीरे रूस की हीरा खनन कंपनी अलरोसा से आते थे। गुजरात में पॉलिश और प्रसंस्करण के लिए आने वाले हीरों में से 60 प्रतिशत रूस से आते हैं। इनमें से ज्यादातर छोटे आकार के हीरे हैं।

फिच का अनुमान, दिसंबर तक ब्याज दरें बढ़ाकर 5.9 प्रतिशत करेगा आरबीआई

नयी दिल्ली। एजेंसी

फिच रेटिंग्स ने मंगलवार को कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक दिसंबर 2022 तक ब्याज दरों को 5.9 प्रतिशत तक बढ़ा सकता है। फिच ने वैश्विक आर्थिक परिदृश्य के अपने ताजा अपडेट में कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था बिगड़ते बाहरी माहौल, जिंस कीमतों में बढ़ोतरी और सख्त वैश्विक मौद्रिक नीति का सामना कर रही है। रेटिंग एजेंसी ने कहा, ''मुद्रास्फीति के लिए बिगड़ते परिदृश्य को देखते हुए, अब हमें उम्मीद है कि आरबीआई ब्याज दर को बढ़ाकर दिसंबर 2022 तक 5.9 प्रतिशत और 2023 के अंत तक 6.15 प्रतिशत (जबकि पिछला पूर्वानुमान पांच प्रतिशत था) कर सकता है और 2024 में इसके अपरिवर्तित रहने की उम्मीद है।''

पिछले महीने तय कार्यक्रम के बिना एक नीति घोषणा में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने दरों को 0.40 प्रतिशत बढ़ाकर 4.4 प्रतिशत कर दिया था, और बाद में पिछले सप्ताह इसे और बढ़ाकर 4.9 प्रतिशत कर दिया। आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष के अंत तक महंगाई दर 6.7 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। मई में खुदरा महंगाई 7.04 फीसदी पर थी। फिच ने कहा, ''मुद्रास्फीति आठ साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई है और सीपीआई की अधिक श्रेणियों में फैल गई है। यह उपभोक्ताओं के लिए एक गंभीर चुनौती है। पिछले तीन महीनों में, खाद्य मुद्रास्फीति में वार्षिक आधार पर औसतन 7.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि स्वास्थ्य देखभाल का खर्च भी लगातार बढ़ रहा है।'' फिच के अनुसार अप्रैल-जून तिमाही में खपत बढ़ने से वृद्धि में सुधार होने की संभावना है, क्योंकि मार्च के अंत में कोविड-19 संक्रमण के मामले कम हो गए थे।

तीज-त्योहारों वाला आषाढ़ मास

इस महीने जगन्नाथ रथयात्रा, गुप्त नवरात्रि, देवशयनी एकादशी और गुरु पूर्णिमा समेत आएंगे कई पर्व

15 जून, बुधवार यानी आज से आषाढ़ मास की शुरुआत हो गई है। इस महीने में देवशयनी एकादशी, योगिनी एकादशी, मिथुन संक्रांति, प्रदोष व्रत, मासिक शिवरात्रि, संकष्टी चतुर्थी, और जगन्नाथ रथ यात्रा जैसे कई त्योहार आएंगे। धर्म ग्रंथों के मुताबिक आषाढ़ महीने के स्वामी भगवान विष्णु हैं। इस हिंदी महीने में किए गए व्रत-उपवास से बीमारियां दूर रहती हैं और उम्र बढ़ती हैं। वहीं आषाढ़ मास में शिव पूजा और स्नान-दान से जाने- अनजाने में हुए पाप खत्म हो जाते हैं। इसी महीने से भगवान विष्णु चार महीने की योग निद्रा में चले जाते हैं और चातुर्मास शुरू हो जाता है।

पुरी के ज्योतिषाचार्य डॉ. गणेश मिश्र बताते हैं कि आषाढ़ महीना ज्योतिषीय नजरिये से भी बहुत खास होता है। इस महीने के दौरान ही सायन और निरयण दोनों तरह से सूर्य कर्क राशि में आ जाता है। जिससे दक्षिणायन शुरू होता है। आषाढ़ मास में ही ही वर्षा ऋतु की शुरुआत हो जाती है। इस महीने सूर्य अपनी मित्र राशि में रहता है।

ये है खास त्योहार-पर्व

1 जुलाई को जगन्नाथ रथ यात्रा और 10 को देवशयनी एकादशी

24 जून, शुक्रवार (योगिनी एकादशी) : 5 जुलाई को आषाढ़ के कृष्ण पक्ष की एकादशी रहेगी। इस दिन भगवान विष्णु के वामन अवतार और योगीराज श्रीकृष्ण की पूजा की भी परंपरा है।

29 जून, बुधवार (आषाढ़ अमावस्या) : इसे हलहारिणी अमावस्या कहा जाता है। इस पर्व पर स्नान-दान के साथ पितरों के श्राद्ध करने की परंपरा है साथ ही इस दिन धरती देवी की विशेष पूजा की जाती है।

30 जून, गुरुवार (गुप्त नवरात्रि की शुरुआत, चंद्र दर्शन) : इस दिन से देवी उपासना के लिए गुप्त नवरात्रि शुरू होगी। इसमें साधना का विशेष महत्व रहेगा। भक्त तंत्र, मंत्र साधना करेंगे।

01 जुलाई, शुक्रवार (जगन्नाथ रथ यात्रा) : रथ यात्रा महोत्सव मनाया जाएगा। भगवान जगन्नाथजी की यात्रा का निकलेगी। इस दिन पुष्य नक्षत्र का संयोग भी रहेगा।

03 जुलाई, रविवार (विनायक चतुर्थी) : सौभाग्य और सुख-समृद्धि की कामना से इस दिन भगवान गणेशजी की पूजा होगी और व्रत रखा जाएगा।

8 जुलाई, शुक्रवार (भड़ली नवमी) : राजस्थान और मध्यप्रदेश सहित कुछ राज्यों में ये तिथि विवाह और सभी मांगलिक कामों के लिए अबूझ मुहूर्त माना जाता है।

10 जुलाई, रविवार (देवशयनी एकादशी, चातुर्मास प्रारंभ) : इस संबंध में मान्यता है कि इस तिथि से चार माह के लिए भगवान विष्णु क्षीरसागर में शयन करने चले जाते हैं और फिर देवउठनी एकादशी पर जागते हैं। इसी दिन से चातुर्मास भी शुरू हो जाएंगे। इन चार माह में मांगलिक व शुभ कार्य वर्जित रहते हैं।

13 जुलाई, बुधवार (गुरु पूर्णिमा, आषाढ़ पूर्णिमा) : इसी तिथि पर आषाढ़ मास खत्म हो जाएगा और 25 जुलाई से सावन महीने की शुरुआत होगी। इस दिन महर्षि वेदव्यास जी की पूजा की जाती है। जिन्होंने महाभारत सहित 18 पुराणों की रचना की है।

संक्रांति से शुरू होगा आषाढ़ मास

15 जून, बुधवार को दोपहर करीब 12 बजे सूर्य मिथुन राशि में प्रवेश करेगा और अगले महीने 16 जुलाई तक इसी राशि में रहेगा। सूर्य के मिथुन राशि में प्रवेश से मिथुन संक्रांति का योग बनेगा। पुण्य काल बुधवार दोपहर 12.18 से शाम 7.20 तक है। इस दिन सूर्य की मिथुन संक्रांति का पुण्यकाल करीब 7 घंटे 2 मिनट का रहेगा। सूर्य के राशि परिवर्तन से देश-दुनिया सहित सभी राशियों पर असर पड़ेगा। संक्रांति पर्व के साथ आषाढ़ मास की शुरुआत होना शुभ संयोग है।

3 दिन बाद बनने जा रहा लक्ष्मी नारायण योग, इन 2 राशि वालों का होगा भाग्योदय

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, हर ग्रह एक निश्चित अवधि में एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करता है। किसी भी ग्रह के एक राशि से दूसरी राशि में जाने की प्रक्रिया को राशि परिवर्तन या राशि गोचर कहा जाता है। शुक्रदेव 18 जून को राशि परिवर्तन करेंगे। शुक्र का गोचर वृषभ राशि में होगा। इस राशि में बुध पहले से विराजमान हैं। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, जब एक ही राशि में बुध व शुक्र विराजमान होते हैं तो लक्ष्मी नारायण योग बनता है। इस योग को ज्योतिष में दुर्लभ माना गया है। बुध व शुक्र की युति से बनने वाला योग कुछ राशि वालों के लिए लाभकारी साबित होगा।

शुक्र व बुध किसके कारक हैं?

ज्योतिष में शुक्र को कला, साहित्य व सुख-सुविधा आदि का कारक माना गया है। बुध ग्रह को बुद्धि, व्यापार व संवाद आदि का कारक माना जाता है। मान्यता है कि शुक्र व बुध की स्थिति जन्मकुंडली में उच्च की होने पर जातक को जीवन में किसी चीज की कमी नहीं रहती है।

लक्ष्मी नारायण योग इन राशियों के लिए शुभ-

वृषभ- वृषभ राशि वालों के लिए लक्ष्मी नारायण योग शुभ साबित होगा। 18 जून से 2 जुलाई तक का समय आपके लिए लाभकारी साबित होगा। इस दौरान आपको व्यापार में मुनाफा हो सकता है। नौकरी पेशा करने वाले जातकों को शुभ समाचार मिल सकता है। नौकरी में पदोन्नति मिल सकती है। इस दौरान आपकी कार्यशैली में निखार आएगा। सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी हो सकती है।

वृश्चिक- लक्ष्मी नारायण योग से वृश्चिक राशि वालों को लाभ मिल सकता है। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले जातकों को शुभ समाचार मिल सकता है। नौकरी पेशा करने वाले जातकों को उच्चाधिकारियों का सहयोग प्राप्त हो सकता है। जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बीतेगा। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों के लिए समय अनुकूल है।

घर में है पूजा घर तो जरूर अपनाएं ये वास्तु टिप्स

हिंदू धर्म को मानने वाले प्रत्येक व्यक्ति के घर में पूजा-पाठ के लिए अलग स्थान बनाया जाता है जिसे पूजा घर का नाम दिया जाता है। इस पूजा घर में विभिन्न प्रकार के देवी-देवताओं की प्रतिमा और तस्वीर विराजमान करके विधि वत इनकी पूजा-अर्चना की जाती हैं। मगर बहुत से ऐसे लोग होते हैं जो घर में पूजा पाठ करने के लिए छोटे बड़े मंदिर का निर्माण तो कर लेते हैं परंतु पूजा के समय किन नियमों का ध्यान रखना चाहिए इन बातों को नजरअंदाज कर जाते हैं। जो करना बिल्कुल ठीक नहीं माना जाता है। वास्तु और धार्मिक शास्त्रों की मानें तो घर के पूजा घर से जुड़े नियमों का पालन करना बेहद आवश्यक माना जाता है। अगर इन्हें फॉलो न किया जाए तो पूजा से शुभ फलों की प्राप्ति तो नहीं ही होती, बल्कि इसकी बजाए अशुभ फलों की प्राप्ति होने लगती है। तो आइए जानते हैं घर के पूजा मंदिर में कुछ चीजों को रखने से मना किया जाता है। मान्यता है कि इन चीजों को रखने से भगवान नाराज हो जाते हैं। मान्यतानुसार जानते हैं कि घर के पूजा मंदिर में किन चीजों को नहीं रखा जाता है।आमतौर पर देखा जाता है लोग पूजा घर में किसी भगवान की बहुत सारी तस्वीरें या मूर्तियां रख लेते हैं लेकिन आपको बता दें ऐसा करना सही नहीं है क्योंकि पूजा घर में किसी भी देवी-देवता की एक से अधिक तस्वीर नहीं रखी जाती है। अगर आपके घर में ऐसा है तो ध्यान रखें उसकी संख्या 3, 5, 7 में नहीं होनी चाहिए।

तो वहीं, भगवान शिव के भक्त घर के पूजा मंदिर में शिवलिंग रखते हैं। वैसे तो घर में शिवलिंग रखना अशुभ नहीं माना जाता है, लेकिन शास्त्रों में शिवलिंग रखने के कुछ नियम बताए गए हैं। शिवपुराण के अनुसार, पूजा स्थल पर एक से अधिक शिवलिंग नहीं रखने चाहिए। साथ ही इसका आकार अंगूठे से बड़ा नहीं होना चाहिए। घर में बड़े शिवलिंग रखने से परिवार के सदस्यों पर बुरा प्रभाव पड़ने लगता है।

मान्यतानुसार, घर के पूजा मंदिर में भगवान के रौद्र रूप वाली तस्वीर या मूर्ति नहीं रखनी चाहिए। कहा जाता है कि घर के पूजा मंदिर भगवान की वैसी ही तस्वीर रखनी चाहिए, जिसमें वे मुस्कुराते हों। भगवान के रौद्ररूप घर मे रखने से कलह कलेश बढ़ने लगता है।

पुराणों के अनुसार कभी भी घर के मंदिर में शनिदेव की मूर्ति नहीं रखनी चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि भगवान शनि को इस बात का श्राप मिला हुआ है कि वो जिस भी किसी को देखेंगे उसका अनिष्ट या बुरा होगा। ऐसे में घर के अन्दर शनिदेव की प्रतिमा को रखना खुद की परिशानियों को बढ़ाने जैसा है। हालांकि अगर आप शनि भगवान की पूजा करना चाहते हैं तो घर के बाहर किसी मंदिर में ही करनी चाहिए। इसके अलावा अगर आप अपने घर में शनि देव की पूजा करना चाहते हैं तो उनका मन में स्मरण करें। साथ ही शनिवार को हनुमान जी की भी पूजा करें और शनिदेव को भी याद करें। इससे भी शनि देव प्रसन्न होते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, घर के पूजा मंदिर में भगवान की टूटी हुई मूर्ति नहीं रखनी चाहिए। दरअसल खंडित मूर्ति को घर में रखना अशुभ माना गया है। अगर ऐसी मूर्ति है तो उसे हटा देना चाहिए और ध्यान रखें ऐसी मूर्ति किसी पानी में बहाना चाहिए। माना जाता है कि काले रंग का इस्तेमाल कभी भी पूजा घर में नहीं करना चाहिए, इससे नकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

सिरहाने से हटाएं ये 5 चीजें, इनसे आती है नकारात्मकता...

संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ, अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

कुछ चीजें ऐसी हैं जिन्हें सोते समय अपने पास रखना नकारात्मकता और अशुभता को बढ़ाता है। आप भी सोते समय ये चीजें अपने सिरहाने ना रखें।

आधुनिक यंत्र

यंत्र को हमेशा स्वचालित माना गया है, ये हमेशा चलते रहते हैं। ये हमारी शांति को अवरूद्ध कर सकते हैं। घड़ी, मोबाइल, फोन, लैपटॉप, टीवी, वीडियो गेम, जैसे कई यंत्रों को सिरहाने रखने की सलाह कोई भी वास्तुविज्ञ या ज्योतिषी नहीं देते हैं। अधिकांश का मानना है कि इनसे निकलने वाली किरणें सेहत और मानसिकता दोनों के लिए घातक है।

पर्स, वॉलेट

कभी अपने सिरहाने पर पर्स या वॉलेट को नहीं रखना चाहिए। यह आपके बेवजह के खर्च बढ़ाता है। धन यानी कुबेर और लक्ष्मी का वास हमेशा तिजोरी या अलमारी में होता है। सोने से पहले यह तय करें कि आपने आपका पर्स सही जगह रख दिया है। फिर देखिए कितने सुखी रहते हैं आप।

रस्सी, जंजीर

रस्सी जैसी वस्तुएं दैनिक जीवन में उपयोगी हो सकती हैं, लेकिन बेहतर होगा रात को इन्हें बिस्तर के नजदीक न रखें। वास्तु के अनुसार, रस्सी और जंजीर आदि अशुभ प्रभाव लाती हैं। इससे मनुष्य के कार्यों में बार-बार बाधाएं आती हैं और उसके काम बिगड़ते हैं।

ओखली

वास्तु का मानना है कि रात को सोते समय बिस्तर के नीचे या सिरहाने की ओर ओखली नहीं रखनी चाहिए। इससे भी रिश्तों में तनाव आता है और व्यक्ति सकारात्मक कार्यों में ऊर्जा लगाने के बजाय व्यर्थ के विवादों में पड़ता है।

अखबार या मैगजीन

वास्तुशास्त्र के अनुसार इंसान को अपने तकिये के नीचे अखबार और मैगजीन जैसी चीजों को भी नहीं रखना चाहिए। इन चीजों को रखने से इंसान का जीवन प्रभावित होता है।

मक्का और टमाटर की फसलों के लिए लॉन्च किए दो नए प्रोडक्ट्स

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

देश की अग्रणी कृषि रसायन कंपनियों में से एक धानुका एग्रीटेक लिमिटेड ने 9(3) कैटेगरी में दो नए प्रोडक्ट्स लॉन्च किए जो भारत में पहली बार प्रस्तुत किए गए हैं। पहला प्रोडक्ट खरपतवारनाशक है जिसे मक्के की फसल के लिए पेश किया गया है और दूसरा प्रोडक्ट टमाटर की फसल के लिए पेश किया गया फफूँदनाशक यानि कवकनाशी है।

दोनों प्रोडक्ट्स को पहले महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में लॉन्च किया गया था और अब इन्हें मध्य प्रदेश के इंदौर में लॉन्च किया गया। जल्द ही ये प्रोडक्ट देश के अन्य हिस्सों में भी उपलब्ध होंगे।

धानुका एग्रीटेक लिमिटेड ने जापान के निसान केमिकल्स के साथ तकनीकी साझेदारी में जापानी तकनीक का उपयोग करते हुए कॉर्नेक्स को विकसित किया है। इसे धानुका एग्रीटेक लिमिटेड द्वारा पहली बार भारत में पेश किया गया है। यह एक ब्रॉड स्पैक्ट्रम, चयनात्मक, पोस्ट एमरजेन्स एवं प्रणालीगत शाकनाशी है जो मक्का के किसानों के लिए महत्वपूर्ण समाधान होगा तथा उनकी मक्का की फसल को मुख्य चौड़े पत्ते वाले खरपतवार, मुख्य संकरे पत्ते वाले खरपतवार और मोथा (साइप्रस रोटंडस) से सुरक्षित रखेगा। कॉर्नेक्स मक्का किसानों को लाभ देगा, जिससे वे अपनी मक्के की फसल को खरपतवार से सुरक्षित रख सकेंगे।

ज़ैनेट भी धानुका एग्रीटेक लिमिटेड द्वारा विकसित किया गया एक और उत्पाद है जिसे दो जापानी कंपनियों होक्को केमिकल इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड और निप्पोन सोडा कंपनी लिमिटेड, जापान के साथ साझेदारी में तैयार किया गया है। इसे पहली बार भारत में धानुका एग्रीटेक लिमिटेड द्वारा उपलब्ध कराया गया है। जैनेट फंगीसाईड और बैक्टेरीसाईड का नया एवं अनूठा संयोजन है, जो टमाटर की फसल को फंगस एवं बैक्टीरिया के कारण होने वाले रोगों जैसे बैक्टीरियल लीफ स्पॉट और पाउडरी मिल्ड्यू से सुरक्षित रखता है। इन दो 9(3) प्रोडक्ट्स के अलावा धानुका एग्रीटेक लिमिटेड ने मध्य प्रदेश के इंदौर में 3 और प्रोडक्ट्स का लॉन्च किया। ये प्रोडक्ट्स हैं- फूजी सुपर, क्रेज-एक्स और टर्मिनल। फूजी सुपर और क्रेज एक्स धान की फसल के लिए खरपतवारनाशक है। वहीं टर्मिनल गैर-चयनात्मक खरपतवारनाशक है।

अपने उत्पादों की रेंज में इन नए समाधानों के माध्यम से धानुका किसानों को नई तकनीकों के साथ सशक्त बनाएगी और वे अपनी फसलों को खरपतवार, फफूंद एवं बैक्टीरिया से सुरक्षित रख सकेंगे। 'हर साल खरपतवार, फंगस एवं बैक्टीरिया की वजह से फसलों को होने वाली बीमारियों के चलते हमारे देश को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। कॉर्नेक्स एवं ज़ैनेट - ये दोनों प्रोडक्ट्स मक्का और टमाटर की फसलों को खरपतवारो एवं बीमारियों से बचाकर फसलों की उत्पादकता बढ़ाने में मदद करेंगे तथा इस नुकसान को कम करने में कारगर साबित होंगे। इन दोनों प्रोडक्ट्स को इस्तेमाल करना बेहद आसान है। ऐसे में हमें विश्वास है कि किसान इन्हें खूब पसंद करेंगे।' श्री राहुल धानुका, सीओओ, धानुका एग्रीटेक लिमिटेड ने कहा।

मैक्स लाईफ एडब्लूएस के साथ क्लाउड ट्रांसफॉर्मेशन में तेजी लाया

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

एमेज़ॉन.कंपनी एमेज़ॉन वेब सर्विसेज़ ने बताया कि मैक्स लाईफ इं'योरेंस कंपनी लिमिटेड (मैक्स लाईफ) ने डिजिटल लाईफ इंशयोरेंस कंपनी बनने के लिए एडब्लूएस को अपना क्लाउड प्रदाता बनाया है एडब्लूएस क्लाउड क्षमताओं के संपूर्ण विस्तार, जैसे स्टोरेज, कंप्यूट, डेटा एनालिटिक्स का इस्तेमाल कर मैक्स लाईफ ने नई बीमा पॉलिसी जारी करने की प्रक्रिया को आटोमेटरिक दिया है और अब ग्राहक केवल 30 मिनट में बीमा खरीद सकते हैं। मैक्स लाईफ के डिजिटल परिवर्तन से ग्राहकों की निष्ठा और एजेंट की उत्पादकता बढ़ी है। एजेंट की उत्पादकता में 40 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। इसके अलावा, मैक्स के क्लाउड फुटप्रिंट 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 40 प्रतिशत करने से कंपनी के इन्फ्रास्ट्रक्चर की दृढ़ता बढ़ी है, और अब यह नए बीमा उत्पादों के लॉन्च के दौरान विभिन्न व्यवसायों को आसानी से सपोर्ट कर सकता है। एडब्लूएस के साथ मैक्स लाईफ के ग्राहकों को डिजिटल सेवाओं द्वारा ज्यादा तीव्र एवं सुगम बीमा सेवाओं का अनुभव मिलेगा, जिसमें आनलाईन प्रीमियम पेमेंट के विकल्प मिल हैं।

मैक्स लाईफ के डायरेक्टर एवं चीफ आपरेशसन आफिसर मनु लावण्य ने कहा व्यवसाय को चुस्त व लचीला बनाकर रखने की जरूरत के मुताबिक जीवन बीमा उद्योग में भारी परिवर्तन आ रहा है एडब्लूएस को अपनाकर, मैक्स लाईफ ने एक आधुनिक, फ्यूचर-रेडी डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर स्थापित किया है ताकि इस परिवर्तन में सहयोग किया जा सके। एडब्लूएस की उन्नत क्लाउड क्षमताएं एवं क्लाउड की चुस्ती द्वारा हम प्रयोग करने व तीव्रता से अभिनवता लाने में समर्थ बने हैं ताकि सर्वश्रे'ठ ग्राहक अनुभव प्रदान किया जा सके।''

अटल इनोवेशन मिशन, नीति आयोग और भारत के पहले फंडिंग शो

हॉर्सेस स्टेबल ने जूनियर कैटेगरी का प्रीमियर संस्करण लॉन्च

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत की मेधावी उद्यमी प्रतिभाओं की छिपी हुई क्षमता का दोहन करने वाले शो 'हॉर्सेस स्टेबल' ने पहले तीन सीजन की शानदार सफलता के बाद अटल इनोवेशन मिशन, नीति आयोग के सह योग से अपने 'जूनियर सीजन' को आज लॉन्च कर दिया है। 'हॉर्सेस स्टेबल-जूनियर' युवा उद्यमियों की परवरिश करने पर ध्यान केंद्रित करता है तथा उभरते हुए युवा स्टार्ट-अप उद्यमियों को अपने अनूठे विचार सामने रखने और हॉर्सेस के एक अनुभवी पैनल से अपने भविष्य के व्यावसायिक उपक्रमों के लिए मार्गदर्शन और अनुदान प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। हॉर्सेस स्टेबल के साथ हुई सहभागिता पर अपने विचार साझा करते हुए नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत ने कहा- 'अटल इनोवेशन मिशन, नीति आयोग जूनियर कैटेगरी को लॉन्च करने वाले सुनील शेट्टी और प्रशांत अग्रवाल के विजन से जुड़कर खुश है, जो विकासमान प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करेगा और भारत की तरक्की और विकास को आगे बढ़ाएगा, क्योंकि यह एआईएम, नीति आयोग के उद्देश्यों के अनुरूप है। यह विजन 'मेक इन इंडिया' की अवधारणा को भी पुष्ट करता है, जो अगली पीढ़ियों को संवारने और उनकी परवरिश करने को बढ़ावा ही देगा।'

विचारों को आगे बढ़ाते हुए अटल इनोवेशन मिशन के मिशन डाइरेक्टर डॉ. चिंतन वैष्णव ने कहा, 'हॉर्सेस स्टेबल जूनियर भारत के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र के सफर में स्कूल स्तर का एक महत्वपूर्ण कदम है। हमने अटल टिंकरिंग लैब्स के छात्रों से बड़े पैमाने पर उद्यमिता उभरती देखी है, जिसमें दस साल से कम उम्र के छात्र भी किसी न किसी स्टार्ट-अप के मालिक होते हैं और इनमें से कई छात्र अपनी किशोरावस्था तक पहुंचते-पहुंचते अपना दूसरा या तीसरा स्टार्ट-अप खड़ा कर लेते हैं। हॉर्सेस स्टेबल जूनियर भारत के सभी स्कूलों और छात्रों को एक प्लेटफॉर्म प्रदान करके एटीएल्स से कहीं आगे निकल जाता है। आज के लॉन्च के साथ मैं यह जानने को बेहद उत्सुक हूं कि हमारे सबसे कम उम्र के नागरिक अपने देश को आगे ले जाने में किस तरह की दिलचस्पी दिखा रहे हैं।'

ऑडियो कंटेंट प्लेटफॉर्म कुकू एफएम के भारत में 1 मिलियन एक्टिव पेईंग सब्सक्राईबर्स

इंदौर। एजेंसी

भारत में ऑडियो कंटेंट श्रोताओं की वृद्धि और इसकी लोकप्रियता बढ़ने के साथ, अग्रणी ऑडियो कंटेंट प्लेटफॉर्म, कुकू ने आज घोषणा की कि इसके सब्सक्राईबर्स की संख्या हाल ही में 1 मिलियन एक्टिव पेईंग सब्सक्राईबर्स से ज्यादा हो गई है। कुकू एफएम ने अभी तक ब्लूचिप वीसी जैसे क्राफ्टन, वर्लिनवेस्ट, वर्टेक्स, 3वन4 कैपिटल, और आईक्यू से 25 मिलियन अमेरिकी डॉलर एकत्रित कर लिए हैं। कंटेंट सब्सक्राईबर के मामले में भारत एक संभावनापूर्ण क्षेत्र के रूप में उभरा है, जहां शीर्ष

ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के पास 100 मिलियन से ज्यादा सब्सक्राईबर हो चुके हैं, जिनमें से ज्यादातर इंग्लिश का ज्ञान रखने वाले हैं। क्षेत्रीय भाषाओं पर कुकू एफएम के फोकस के साथ इस उत्पाद की महत्वाकांक्षा 1.2 बिलियन भारतीयों में सब्सक्राईबर्स बनाना है, जिन्हें इंग्लिश का ज्ञान नहीं हैं। लाल चंद बिशु सीईओ एवं को-फाउंडर ने कहा, ''यह उपलब्धि देश में हर महत्वाकांक्षी युवा के लिए ऑडियो कंटेंट प्राप्त करने का लोकप्रिय साधन बनने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हमारे विस्तृत होते प्लेटफॉर्म ने विभिन्न कंटेंट क्रिएटर्स की ओर से प्रेरणाप्रद कंटेंट के साथ हमें अपने श्रोताओं को स्थिर अनुभव प्रदान करने में समर्थ बनाया है और हमारे व्यवसाय के लिए वृद्धि का एक सशक्त मार्ग प्रशस्त किया है। हमें विशवास है कि हम सर्वाधिक भारतीय घरों में पहुंचकर अगले साल 10 मिलियन पेड सब्सक्राईबर बना लेंगे।''

RBI बोर्ड में आनंद महिंद्रा की एंट्री, इन कारोबारियों की भी हुई नियुक्ति

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

केंद्र सरकार ने आनंद महिंद्रा, पंकज आर पटेल और वेणु श्रीनिवासन जैसे उद्योगपतियों को आरबीआई के केंद्रीय बोर्ड में गैर-आधिकारिक निदेशक नियुक्त किया गया है। आनंद महिंद्रा महिंद्रा समूह के चेयरमैन हैं। केंद्र सरकार ने आनंद महिंद्रा, पंकज आर पटेल और वेणु श्रीनिवासन जैसे उद्योगपतियों को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के केंद्रीय बोर्ड में गैर-आधिकारिक निदेशक नियुक्त किया गया है। इसके अलावा भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम-अहमदाबाद) के पूर्व प्रोफेसर रविंद्र एच ढोलकिया को भी बोर्ड में शामिल किया गया है।

आनंद महिंद्रा वर्तमान में महिंद्रा समूह के चेयरमैन हैं। वह महिंद्रा एंड महिंद्रा और टेक महिंद्रा के गैर-कार्यकारी चेयरमैन भी हैं। इसके अलावा टीवीएस मोटर कंपनी के चेयरमैन वेणु श्रीनिवासन और जायडस लाइफसाइंस के चेयरमैन पंकज आर पटेल को भी रिजर्व बैंक के केंद्रीय बोर्ड में शामिल किया गया है। 4 साल के लिए नियुक्तिः आरबीआई की एक अधिसूचना के मुताबिक नियुक्ति समिति (एसीसी) ने चार साल की अवधि के लिए ये नियुक्तियां की हैं। आपको बता दें कि केंद्रीय निदेशक मंडल रिजर्व बैंक से संबंधित मामलों का संचालन करता है। रिजर्व बैंक गवर्नर की अध्यक्षता में बोर्ड के सदस्यों को भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम के अनुसार भारत सरकार की तरफ से नियुक्त किया जाता है।

किर्लोस्कर ने अपने इंटेलिजेंट जेनसेट रेंज में आईग्रीन 2.0 संस्करण लॉन्च किया

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत में डीजल जेनरेटिंग सेट्स के अग्रणी निर्माता, किर्लोस्कर ऑइल इंजन लिमिटेड (केओईएल) ने किर्लोस्कर आईग्रीन 2.0 संस्करण लॉन्च किया, जो केओईएल के बिजली उत्पादन व्यवसाय के लिए नया वैरियंट है। आर550 सीरीज के इंजन्स के साथ संचालित जेनसेट कॉम्पैक्टनेस, ईंधन-दक्षता और हाई पावर क्वालिटी प्रदान करते हैं। नया आईग्रीन 2.0 संस्करण कम जगह घेरता है और 30इ वॉल्यूमेट्रिक कटौती प्रदान करता है और यह अपने ग्राहकों को एक विश्वसनीय और कुशल प्रोडक्ट के रूप में एक नई प्रतिबद्धता प्रदान करता है। इसके अलावा, यह अपने ग्राहकों को इनोवेटिव और स्टेट-ऑफ-द-आर्ट प्रोडक्ट प्रदान करने की कंपनी की प्रतिबद्धता को पुनर्स्थापित करता है। किर्लोस्कर आईग्रीन 2.0 संस्करण कंपनी के पूर्ण बैक-अप सॉल्यूशन प्रोवाइडर होने के दायित्व को अधिक मजबूती प्रदान करता है। बोल्ट-रहित कैनोपी वाले इन जेनसेट्स की प्रोडक्ट-लाइफ बेहतर होती है, जबकि कैनोपी के अंदर का साइलेंसर, जगह की बचत सुनिश्चित करता है और प्रोडक्ट को आकर्षक बनाता है।

इन प्रोडक्ट्स में डीजल जेनरेटिंग सेट की रिमोट मॉनिटरिंग जैसी इन-बिल्ट सुविधाएं उपलब्ध हैं, जहां जेनसेट वास्तव में सेल्फ-डायग्नोसिस करता है और नियंत्रण

कक्ष को किसी भी समस्या की जानकारी इलेक्ट्रॉनिक रूप से भेजता है, और इस प्रकार भविष्य में किसी भी संभावित समस्या से खुद को सुरक्षित रखता है। अपने पूर्ववर्ती की तरह, आईग्रीन 2.0 डीजी सेट में एक इनबिल्ट एएमएफ पैनल शामिल है। इसका मतलब यह है कि ग्रिड पावर बंद होने के बाद डीजल जेनरेटिंग सेट स्वचालित रूप से चालू हो जाएगा और ग्रिड पावर चालू होने के बाद स्वचालित रूप से बंद हो जाएगा।

केओईएल के प्राइम पावर सॉल्यूशंस के प्रमुख श्री अरविंद छाबड़ा और बिजली उत्पादन व्यवसाय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी ने अपने इंटेलिजेंट डीजल जेनरेटिंग सेट के नए उन्नत संस्करण का उद्घाटन किया। 2.0 संस्करण अपनी नई 'लिमिटलेस' पहचान के साथ अपने ग्राहकों के लिए सुनिश्चित विश्वसनीयता और प्रदर्शन के साथ-साथ बढ़ी हुई दक्षता प्रदान करने के कंपनी के वादे को दोहराता है। कंपनी आने वाले दिनों में विभिन्न आउटरीच पहलों के जरिये इस नए किर्लोस्कर आईग्रीन 2.0 संस्करण के लॉन्च की सूचना देने की योजना बना रही है। लॉन्च के बारे बोलते हुए, श्री अरविंद छाबड़ा ने कहा, 'किर्लोस्कर ऑइल इंजन लिमिटेड अपनी स्थापना के बाद से बिजली उत्पादन उद्योग में बेंचमार्क स्थापित करने के लिए जाना जाता है। डीजी सेट उद्योग में मार्केट लीडर होना, हमारी सफलता की कुंजी रही है। इसमें बदलाव लाने और इनोवेटिव प्रोडक्ट उपलब्ध कराने के प्रति हमारी दक्षता ने भारत के सबसे भरोसेमंद और ईंधन-कुशल जेनसेट निर्माता के रूप में हमारी प्रतिष्ठा मजबूत की है। हमें विश्वास है कि किर्लोस्कर आईग्रीन 2.0 संस्करण इस मार्केट लीडरशिप को दोहराने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, क्योंकि हमारे हर काम के केंद्र में ग्राहक रहता है।'

बोरोसिल का नया कोल्ड प्रेस स्लो जूसर

हेल्थ गोल्स में मदद करने के लिए कारगर

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

आप हर दिन नुट्रिएंट्स के उचित डोज़ ले रहे हैं, यह सुनिश्चित करने का सबसे आसान तरीका है, एक गिलास घर का बना जूस पीएँ। इसके लिए आपको एक ऐसे जूसर की जरूरत है, जो आपके हेल्थ गोल्स में मददगार साबित हो। और हम जानते हैं कि सभी जूसर्स की बनावट एक समान नहीं होती है। कस्टमर्स की जूसर की विशेष आवश्यकता को समझते हुए, जो कि हेल्थ केयर को ध्यान में रखते हुए पोषक तत्वों से भरपूर जूस दे, भारत के प्रमुख कंज्यूमर ब्रांड, बोरोसिल ने एक बिल्कुल नया, पोर्टेबल कोल्ड प्रेस जूसर लॉन्च किया है। ईज़ी जूस कोल्ड प्रेस स्लो जूसर उपयोग करने में काफी सरल है, जिसे स्लो स्क्वीज़िंग टेक्नोलॉजी के साथ बनाया गया है, ताकि फलों और सब्जियों से धीरे-धीरे, लेकिन पूरी तरह से जूस निकाला जा सके। इसकी निकासी की धीमी गति (। 55 आरपीएम) के कारण, पोषक तत्व नष्ट नहीं होते, बल्कि ये बरकरार रहते हैं। इस दौरान होने वाला न्यूनतम ऑक्सीकरण आपको पोषण से भरे जूस का उपहार देता है। यह जूसर स्क्वीज़िंग और फिल्टरिंग के लिए एक सामान्य अटैचमेंट के साथ आता है, जिससे जूस निकालने की पूरी प्रक्रिया परेशानी मुक्त हो जाती है। अप्लाएंस की डिज़ाइन पतली और पोर्टेबल है, जो आपके किचन काउंटर पर बेहद कम जगह में आसानी से फिट हो जाता है। इसके साथ एक एंटी-ड्रिप जूस आउटलेट ढक्कन भी आता है, जो आपके किचन काउंटर को साफ रखने के उद्देश्य से डिज़ाइन किया गया है।

कोल्ड प्रेस जूसर की कुछ प्रमुख विशेषताएँ इस प्रकार हैं:

- मोटे-मोटे कटे हुए अर्ध-कठोर और मुलायम फलों और सब्जियों के लिए उपयुक्त
- उपयोग, असेंबल और साफ करने में आसान
- एक एंटी-ड्रिप जूस आउटलेट ढक्कन के साथ आता है
- एक सॉफ्ट साउंड मोटर है

पर्ल प्रिसिजन ने खुद को स्पर्श पर्ल के रूप में रीब्रांड किया

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

सेनेटरी वेयर और बाथरूम एक्सेसरीज सेगमेंट में खुद को मार्केट लीडर के तौर पर और भी मजबूती से स्थापित करने के लिए पर्ल प्रिसिजन ने बड़े पैमाने पर रीब्रांडिंग शुरू की है। कंपनी ने एक नया कैंपेन शुरु किया है और इसे नाम दिया है पर्ल प्रिसिजन प्रोडक्ट्स अब बन गया है स्पर्श पर्ल रू स्पर्श से आए..पर्ल का एहसास! कंपनी ने इस कैंपेन के ज़रिए स्पर्श पर्ल के रूप में खुद को बाजार की अग्रणी कंपनी के तौर पर सफलतापूर्वक स्थापित किया है।

कंपनी इंदौर शहर के सबसे बड़े डिस्ट्रीब्यूटर्स श्री दादू दयाल एंड कंपनी के साथ आक्रामक तौर पर काम कर रही है। रीब्रांडिंग के ज़रिए कंपनी की कोशिश श्स्पर्श पर्लश् के हाई क्वालिटी वाले बाथरुम एक्सेसरीज़ और टैप कलेक्शन प्रोडक्ट्स के साथ देश भर में अपना विस्तार करना है। इस कैंपेन के जरिए कंपनी अपने विजन और कोर वैल्यू सिस्टम के साथ अपने ब्रांड की पहचान कायम करते हुए देश के सभी मार्केट में अपने हाई क्वालिटी उत्पाद पहुँचाना चाहती है। पर्ल प्रिसिजन एक पॉपुलर ब्रांड है, जो सिस्टर्न्स, सीट कवर्स, किचन सिंक्स, कैबिनेट्स, पीटीएमटी बाथ फिटिंग्स, बाथरुम एक्सेसरीज़ और सेनेटरी वेयर प्रोडक्ट्स बनाती है।

पर्ल प्रिसिजन के अध्यक्ष और मैनेजिंग डायरेक्टर श्री नरेश कुमार गर्ग ने कहा,ष्पर्ल प्रिसिजन को स्पर्श पर्ल के रूप में रीब्रांड किया गया है और इसका मकसद बाज़ार में ब्रांड को और भी वाइब्रेंट लुक देते हुए और भी प्रभावपूर्ण तरह से ब्रांड और उसके प्रोडक्ट्स को ग्राहकों के बीच ले जाना है। रीब्रांडिंग के जरिए हम सेनेटरी वेयर और बाथरूम एक्सेसरीज़ सेगमेंट में अपनी बादशाहत कायम करने और उच्च ब्रांड रिकॉल बनाने के उद्देश्य को पूरा कर रहे हैं। हमारे रीब्रांडिंग कैंपेन की टैगलाइन है ष्स्पर्श पर्ल रू स्पर्श से आए..पर्ल का एहसास!' ये हमारी ब्रांड के संदेश को और भी प्रभावी तरीके से प्रसारित करता है।

पर्ल प्रिसिजन पहले ही टियर-h-hhed शहरों में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करवा चुकी है। रीब्रांडिंग के बाद स्पर्श पर्ल के ज़रिए कंपनी की कोशिश नए और उभरते हुए बाज़ारों में और भी मजबूती के साथ अपना विस्तार करना है। साथ ही कंपनी ने अपने एक नए लोगो का भी अनावरण किया है जो बेहद आधुनिक और आकर्षक है। इतना ही नहीं कंपनी बाज़ार में एक नई टैगलाइन स्पर्श पर्ल स्पर्श से आए..पर्ल का एहसास! के साथ उतरी है जो इसके अत्याधुनिक इम्युनिटी सेनेटरी वेयर और बाथरूम एक्सेसरीज की बेजोड़ रेंज का प्रतिनिधित्व करता है। स्पर्श पर्ल आने वाले महीनों में कई नए उत्पाद लॉन्च करने की प्रक्रिया में है।

कोरोना वायरसः महाराष्ट्र में बीए.5 स्वरूप के दो और मामले सामने आए

मुंबई। एजेंसी

महाराष्ट्र में मंगलवार को कोरोना वायरस के बीए.5 स्वरूप के दो और मामले सामने आए। राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने यह जानकारी दी।

बीए.5 स्वरूप से संक्रमित दोनों मरीज ठाणे शहर में पाए गए और उनका टीकाकरण हो चुका है। विभाग ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि उन्होंने घर में पृथकवास की अवधि पूरी कर ली है और वे बीमारी से उबर गए हैं। इनमें से एक महिला (25 वर्षीय) और एक पुरुष (32 वर्षीय) है। महिला 28 मई को संक्रमित पाई गई थी, जबकि पुरुष 30 मई को संक्रमित पाया गया था। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि पुणे स्थित बी.जे. मेडिकल कॉलेज के अनुसार, राज्य में हालिया नमूनों के संपूर्ण जीनोम अनुक्रमण के दौरान सर्वाधिक नमूनों में बीए.2 स्वरूप पाया गया है और उसके बाद मरीज बीए.2.38 स्वरूप से संक्रमित पाए गए हैं।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।